* ⑤ ये कोई भी ख्यालगायकी का नीजी घराना यह तंत्रकारों का घराना माना जाता था।
* भेरुखण्ड गायकी के स्वरों गणितीय रूप से उलट-पुलट होती थी।
* उ. अमीर खाँ - सारंगी वादक शामीर खाँ के पुत्र थे
* भेंडी बाजार के प्रमुख गायक - अमान अली खाँ
* इन्दौर दरबार के कलाकार
- सखाराम, बाबू खाँ बीनकार, आबिद हुसैन खाँ बीन.., भतीजा खाँ (ह्युपहिया), देवीदास (हारमोनियम), बुन्दु खाँ, केसरबाई, रहेमान खाँ एवं उ. जहाँगीर खाँ
* अब्दुल 'वहदे' वहीद खाँ भेरुखण्ड गायकी के विशेषज्ञ
* हीराबाई बड़ोदकर के गुरु - वहीद खाँ
* किराना घराना - अब्दुल करीम खाँ
* ताल - झूमरा, आड़ाचारताल, ~~तिलवा~~ तिलवाड़ा इस श्रे..

विशेषता
* हिन्दू धर्म में आस्था - जोगिया मेरे घर आवें, जिनके मन.. बाँधिया अमीर खाँ गाया करते थे
* समकालीन गायक - बड़े गुलाम अली खाँ
* अमीर खाँ को 1967 में संगीत नाटक अकादमी अवार्ड देकर सम्मानित किया, 1971 में भारत सरकार ने उन्हें पदम श्री से सम्मानित राष्ट्रीय संगीतज्ञ की मान्यता भी मिली थी।

इन्दौर घराना

- इन्दौर के महाराज– शिवाजी राव होलकर
- उसके बाद तुकोजीराव होलकर
- आयोजन 'इन्दौर सभा' का किया जो प्रसिद्ध है
- ध्रुपद के डागुर घराने के पितामह बैहराम खाँ डागुर उ० नासिरुद्दीन खाँ इन्दौर दरबार में थे
- इन्दौर मूलतः किराना और भेंडी बाजार का मिला जुला स्वरूप है
- उ० अमीर खाँ (जन्म-1912) ने इन्दौर के ख्याल घराने का प्रतिनिधित्व किया।